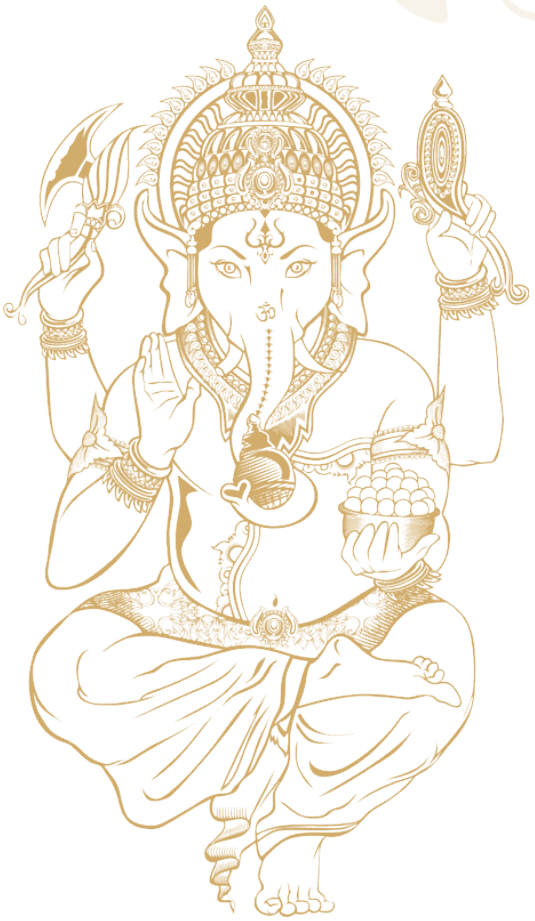

12 Mar 2026

06:57 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121586820

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:57:00 घंटे**
इष्ट	30:46:16 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:30:36 घंटे
वेलान्तर	-00:09:46 घंटे
साम्पातिक काल	05:51:26 घंटे
सूर्योदय	06:38:29 घंटे
सूर्यास्त	18:34:13 घंटे
दिनमान	11:55:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:45:05 कुम्भ
लग्न के अंश	03:48:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:48:04	333:01:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कुंभ	27:45:05	00:59:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	10:26:17	12:00:47	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	13:37:35	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	17:45:54	00:49:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मिथु	20:51:57	00:00:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	13:22:22	01:14:30	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	08:54:11	00:07:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:39:56	00:00:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:39:56	00:00:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:48:36	00:01:50	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:14:40	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:36:07	00:01:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	03:48:43	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

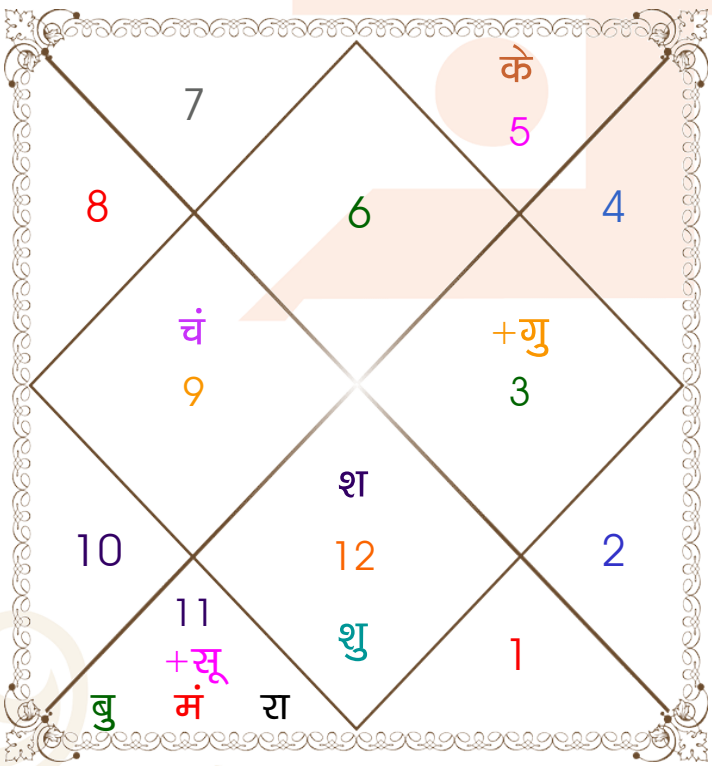

चन्द्र कुंडली

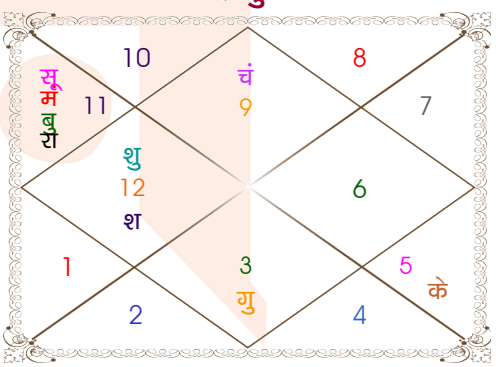

नवमांश कुंडली

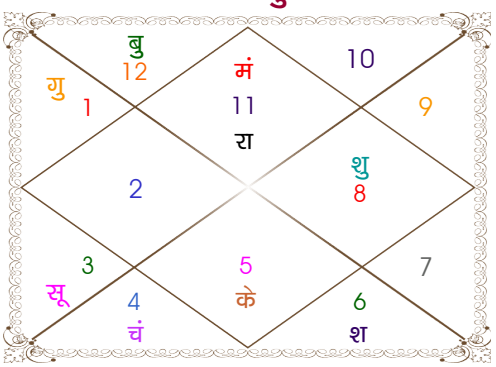

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 6 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/03/2026		18/09/2027		18/09/2047		18/09/2053		18/09/2063	
18/09/2027		18/09/2047		18/09/2053		18/09/2063		18/09/2070	
	00/00/0000	शुक्र	18/01/2031	सूर्य	06/01/2048	चंद्र	19/07/2054	मंगल	15/02/2064
	00/00/0000	सूर्य	18/01/2032	चंद्र	07/07/2048	मंगल	17/02/2055	राहु	04/03/2065
	00/00/0000	चंद्र	18/09/2033	मंगल	12/11/2048	राहु	18/08/2056	गुरु	08/02/2066
	00/00/0000	मंगल	18/11/2034	राहु	06/10/2049	गुरु	18/12/2057	शनि	20/03/2067
	00/00/0000	राहु	18/11/2037	गुरु	25/07/2050	शनि	20/07/2059	बुध	16/03/2068
	00/00/0000	गुरु	19/07/2040	शनि	07/07/2051	बुध	18/12/2060	केतु	12/08/2068
	12/03/2026	शनि	18/09/2043	बुध	13/05/2052	केतु	19/07/2061	शुक्र	12/10/2069
शनि	21/09/2026	बुध	19/07/2046	केतु	18/09/2052	शुक्र	20/03/2063	सूर्य	17/02/2070
बुध	18/09/2027	केतु	18/09/2047	शुक्र	18/09/2053	सूर्य	18/09/2063	चंद्र	18/09/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/09/2070		18/09/2088		19/09/2104		19/09/2123		19/09/2140	
18/09/2088		19/09/2104		19/09/2123		19/09/2140		00/00/0000	
राहु	31/05/2073	गुरु	06/11/2090	शनि	23/09/2107	बुध	15/02/2126	केतु	15/02/2141
गुरु	25/10/2075	शनि	19/05/2093	बुध	02/06/2110	केतु	12/02/2127	शुक्र	17/04/2142
शनि	31/08/2078	बुध	25/08/2095	केतु	11/07/2111	शुक्र	13/12/2129	सूर्य	23/08/2142
बुध	19/03/2081	केतु	31/07/2096	शुक्र	10/09/2114	सूर्य	20/10/2130	चंद्र	24/03/2143
केतु	07/04/2082	शुक्र	01/04/2099	सूर्य	23/08/2115	चंद्र	20/03/2132	मंगल	20/08/2143
शुक्र	07/04/2085	सूर्य	18/01/2100	चंद्र	23/03/2117	मंगल	17/03/2133	राहु	07/09/2144
सूर्य	01/03/2086	चंद्र	20/05/2101	मंगल	02/05/2118	राहु	05/10/2135	गुरु	13/08/2145
चंद्र	31/08/2087	मंगल	26/04/2102	राहु	08/03/2121	गुरु	10/01/2138	शनि	13/03/2146
मंगल	18/09/2088	राहु	19/09/2104	गुरु	19/09/2123	शनि	19/09/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 6 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।